

प्रेषक

अमरेंद्र सिन्हा  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

संवा में

निदेशक,  
मत्स्य विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 10 जुलाई, 2009

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 में मत्स्य विभाग को आयोजनेतर में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या-302/XV-2/1(28)05/2008, दिनांक 28-05-2009 एवं प्रमुख सचिव वित्त के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28-07-2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में आयोजनेतर में वेतन एवं वधनबद्ध मदों में मत्स्य विभाग को निम्नलिखित मदों में कुल रूपया 12173 (रु० एक करोड़ इक्किस लाख तिहतर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन राहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

(धनराशि रु० हजार में)

मद का नाम	धनराशि
01-वेतन	8000
02-मजदूरी	33
03-महंगाई भत्ता	2120
06-अन्य भत्ते	880
09-विरुद्ध देय	267
10-जलकर/जल प्रभार	33
13-टेलीफोन पर व्यय	140
15-गाड़ियों का अनुक्षण और पेट्रोल आदि की खर्च	400
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	267
41-भोजन व्यय	33
कुल योग-	12173

(रु० एक करोड़ इक्किस लाख तिहतर हजार मात्र)

- निदेशक, मत्स्य द्वारा सम्बन्धित जिलास्तरीय अधिकारियों को अपने स्तर से फॉरेट कर सूचित करेंगे तथा सूचना शासन को उपलब्ध करायेंगे।
- निदेशक, मत्स्य द्वारा बजट मैन्युअल में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कौषागार द्वारा प्रमाणित बालचर संख्या एवं दिनांक सहित बजट की सीमा तक प्रपत्र बी०एन०-13 पर व्यय विवरण शासन के प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को प्रत्येक माह की अगली 05 तारीख तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।

3. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्सीमेन्ट क्ला 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग-01 (लेखा नियम), आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। साथ ही नित्यव्ययता सम्बन्धी आदेशों, डी.जी.एस.एन.डी. की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।
4. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग (विनार्स के आधार पर) प्रशासनिक विभाग अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध करावेगा जिससे राज्य स्तर पर कंशफलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
5. वित्तीय वर्ष 2009-10 में इससे पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो, के विवरण की सूचना अलग से रखी जायेगी।
6. अप्रैल, 2009 से नये पदों के भरे जाने के फलस्वरूप होने वाले व्यय के सापेक्ष श्रेणीदार पदों (समूह 'क', 'ख', 'ग' एवं 'घ') की सूचना विभाग द्वारा रखी जायेगी, जिससे वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत विभागवार श्रेणीवार भरे जाने वाले पदों तथा इसके सापेक्ष होने वाले व्यय की जानकारी प्राप्त हो सके।
7. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
8. किसी भी दशा में एक मद की घनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा।
9. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
10. उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-आयोजनेत्तर-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 2- यह आदेश प्रमुख सचिव (वित्त) के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28-07-2009 द्वारा जारी आदेशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
प्रमुख सचिव।

संख्या-796 (1)/xv-2/(1)28-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ऑबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव-मंत्री, मास्य विभाग, को मा0 मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
3. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय को अवगत कराने हेतु।
4. स्टाफ ऑफिसर-अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अवगत कराने हेतु।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. निर्देशक, एनआईसी, उत्तराखण्ड सचिवालय।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से  
(जी0बी0ओली)  
संयुक्त सचिव।